

भारतीय संस्कृति और परंपरा

पूर्व विश्व में भारत अपनी संस्कृति और परंपरा के लिए प्रसिद्ध देश है। ये विभिन्न संस्कृति और परंपरा की भूमि है। भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता का देश है। भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण तत्व अच्छे विषय-चार, तहजीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएं और मूल्य आदि हैं। भारतीय संस्कृति शारदिक संपन्न और समृद्ध है और अनेकता में एकता ही इसकी मूल पहचान है।

भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ एक से ज्यादा जाति, धर्म, समुदाय, लिंग, पंथ आदि के लोग मिलजुल कर रहते हैं और सभी अपनी-अपनी परंपरा और रीति-रिवाजों का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। भारत की संस्कृति में लोगों के रहन-सहन से लेकर उनके संस्कारों, विश्वासों, आदतों, देखभाल, क्रीडा आदि के बारे में सब कुछ है। इसके अतिरिक्त, हमारे देश में एक महान संस्कृति है कि हमें हमेशा देवताओं की तरह अतिथि का स्वागत करना चाहिए। यही कारण है कि हमारे पास एक प्रसिद्ध कहावत है 'अतिथि देवो भवः'। तो हमारी संस्कृति में मूल जड़ आध्यात्मिक अग्रवाक्य और मान्यता है।

भारत ही एक ऐसा देश है जहाँ एक से ज्यादा जाति, धर्म, समुदाय, लिंग, पंथ आदि के लोग मिलजुल कर रहते हैं और सभी अपनी-अपनी परंपरा और रीति-रिवाजों का पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। भारत की संस्कृति में लोगों के रहन-सहन से लेकर उनके संस्कारों, विश्वासों, आदतों, देखभाल, क्रीडा आदि के बारे में सब कुछ है। इसके अतिरिक्त, हमारे देश में एक महान संस्कृति है कि हमें हमेशा देवताओं की तरह अतिथि का स्वागत करना चाहिए। यही कारण है कि हमारे पास एक प्रसिद्ध कहावत है 'अतिथि देवो भवः'। तो हमारी संस्कृति में मूल जड़ आध्यात्मिक अग्रवाक्य और मान्यता है।